संगोष्ठी

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली आवश्यक

पर्यावरण संकट का समाधान भारतीय जीवन दर्शन में मिलेगा : डॉ. कोठारी

नवभारत, जबलपुर। श्री राम कॉलेज द्वारा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 7 एवं 8 जुलाई 2026 को 'पर्यावरण संरक्षण में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय 2 दिवसीय संगोष्ठी की गई। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण एवं प्राकृतिक संसाधनों के दोहन जैसी वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा एवं जीवन-दर्शन में ही समाहित है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित पर्यावरणीय मूल्यों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समकालीन संदर्भों में प्रस्तुत करना तथा शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के मध्य सार्थक संवाद उपलब्ध कराना था। इस दौरान अध्यक्षीय संबोधन दे रहे डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आत्मगौरव पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सभी प्रतिभागियों को 'एक नाम भारत' का संकल्प दिलाया तथा अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर करने की शपथ दिलाई।

प्रख्यात शिक्षाविदों ने दिए व्याख्यान

संगोष्ठी के अंतर्गत 5 तकनीकी सत्र किए गए, जिनमें देश के विभिन्न भागों से पधारे अनेक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता की। प्रथम ऑफलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. एस. एस. संधू ने की तथा मुख्य वक्ता डॉ. संजय स्वामी रहे। द्वितीय ऑफलाइन सत्र की अध्यक्षता डॉ. विजय एल. घुगे ने की, जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. प्रदीप उप्पल रहे। प्रथम ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता डॉ. विमलकांत सैनी ने की तथा मुख्य वक्ता प्रो. सुनीता शर्मा रहीं। द्वितीय ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता डॉ. सविता तिवारी ने की, जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. महेंद्र जैन रहे। इसके साथ ही द्वितीय दिवस को किए गए तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रशांत पुराणिक ने की, जिसमें मुख्य वक्ताओं के रूप में प्रो. रामबाबू तिवारी एवं प्रो. के. एन. शुक्ला ने विचार प्रस्तुत किए। आमंत्रित वक्ताओं के रूप में प्रो. अंशुला तिवारी, डॉ. दिलीप सिंह हजारी तथा डॉ. अंशु रानी पटेल ने पंचमहाभूतों, जैव विविधता तथा आधुनिक विज्ञान के साथ पारंपरिक ज्ञान के समन्वय पर व्याख्यान दिए।

शोध पत्रों की प्रस्तुति और पोस्टर प्रतियोगिता

विभिन्न तकनीकी सत्रों में देश के अनेक विश्वविद्यालयों से प्राप्त 80 से अधिक शोध-पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इनमें जैविक खेती, रामचरितमानस में पर्यावरणीय चेतना, पंचमहाभूतों का संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग तथा वेदों में निहित पर्यावरणीय ज्ञान जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

समापन, आभार और उपस्थिति

समापन पर डॉ. योगेश मोहन दुबे ने सभी वक्ताओं, अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संगोष्ठी सतत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर सारस्वत अतिथि के रूप में ओमप्रकाश शर्मा उपस्थित रहे। इसके साथ ही कार्यक्रम के समापन और विभिन्न सत्रों में डॉ. राजेंद्र कुरारिया, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. अशोक खंडेलवाल, डॉ. अल्केश चतुर्वेदी, डॉ. सुरेंद्र सिंह और आर. के. करसोलिया उपस्थित रहे।

पर्यावरणीय समस्याओं का प्रभावी समाधान

मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी ने पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत अपने घर से करने, जल, वृक्षारोपण तथा प्रकृति के प्रति उत्तरदायी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। विशिष्ट वक्ता डॉ. संजय स्वामी ने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व बताते हुए भारतीय संस्कृति में प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व तथा जल, जंगल, जमीन एवं जैव विविधता के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. निलेश पांडे ने किया तथा उपस्थित जनों का स्वागत भाषण श्री राम ग्रुप के संचालक डॉ. पटेल ने प्रस्तुत किया। सभी वक्ताओं ने पारंपरिक ज्ञान की व्यावहारिक उपयोगिता पर अपनी बात रखी।

विद्यार्थियों ने लिया विकसित भारत-2047 का संकल्प

राष्ट्रहित और सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ छात्र सम्मेलन

नवभारत, जबलपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा एवं भारतीय जनता महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'छात्र सम्मेलन 2026' उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। इस दौरान छात्र-छात्राओं से शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्रहित, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव सजग रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर चलाए गए हस्ताक्षर अभियान में 600 से अधिक विद्यार्थियों ने विकसित भारत-2047 के संकल्प का समर्थन करते हुए अपने हस्ताक्षर दर्ज किए।

दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा ही भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माता है। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुख्य रूप से सांसद आशीष दुबे, प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, अखिलेश जैन, डॉ. जय रोहाणी, अर्चना अग्रवाल, आत्मिका सिंह, योगेन्द्र सिंह सहित भारतीय जनता युवा मोर्चा एवं भारतीय जनता महिला मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

छात्रों ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

सम्मेलन के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला, रंगोली एवं हस्ताक्षर अभियान जैसे विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके बाद अतिथियों ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

एक नजर में

कवि दीपक को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

नवभारत, जबलपुर। गोरखपुर थाने में साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के जन्म दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष समारोह किया गया। इस समारोह में उत्कृष्ट मंच संचालन के लिए संपत उपाध्याय के द्वारा कवि दीपक तिवारी दीपक को प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

राकेश सिंह ने दिये जर्जर भवनों को चिन्हित करने के निर्देश

नवभारत, जबलपुर। बड़ा फुहारा क्षेत्र में बिल्डिंग गिरने की घटना के बाद लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कलेक्टर से दूरभाष पर चर्चा कर घटना की जानकारी ली और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कलेक्टर को निर्देशित किया कि बड़ा फुहारा क्षेत्र के अलावा जहाँ भी पुरानी बसाहट है, उन सभी क्षेत्रों में जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों को चिन्हित किया जाए। उन्होंने प्रशासन को कड़े निर्देश दिए हैं कि चिन्हित किए गए ऐसे भवनों पर तुरंत उचित कानूनी और सुरक्षात्मक कार्यवाही की जाए ताकि आने वाले समय में इस तरह की दुर्घटना दोबारा न हो।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर कांग्रेस करेगी दो दिवसीय आंदोलन

नवभारत, जबलपुर। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के विरोध में कांग्रेस द्वारा 2 दिवसीय आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन के पहले दिन कल 10 जुलाई को कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक रानीताल चौक पर उपवास रखेंगे। इस अवसर पर धार्मिक आस्था एवं सद्भाव के प्रतीक स्वरूप सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन भी किया जाएगा। आंदोलन के दूसरे दिन शनिवार, 11 जुलाई को कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल संबंधित थाने पहुंचकर चढ़ावा चोरी के आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करेगा। कांग्रेस के पूर्व विधायक विनय सक्सेना के कार्यालय पर बैठक में सभी कार्यकर्ताओं एवं आमजन से इस आंदोलन में शामिल होकर न्याय की मांग को मजबूत करने की अपील की गई है।

स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में आए लोग

नवभारत, जबलपुर। आषाढ़ वदी सप्तमि के अवसर पर सक्षम प्राणदा प्रकोष्ठ महाकौशल प्रांत, विशुद्ध हेल्थ केयर जनसेवा समिति एवं देवजी नेत्रालय तिलवारा द्वारा दिगंबर जैन महिला परिषद पारस समिति के आव्हान पर जिला रेडक्रॉस सोसायटी एवं विक्टोरिया टीम के सहयोग से अग्रवाल कॉलोनी जैन संत भवन में रक्तदान, डाइबिटीज डिटेक्शन एवं नेत्र रोग के 40वें शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 125 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई तथा 25 यूनिट्स का रक्तदान हुआ, जिसमें से अधिकतम महिलाओं द्वारा किया गया।

डॉक्टर्स ने दी शुगर नियंत्रण और रक्तदान की सलाह

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. पवन स्थापक, मनोज जैन, अक्षया जैन, दीप्ति जैन, मनीषा जैन, डॉ. अपूर्वा स्थापक एवं अमित जैन के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मंगल गान के साथ हुई। शिविर संयोजक मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित सेठ ने रक्तदान की आवश्यकता और शुगर नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे किडनी, रेटिना और मस्तिष्क पर दुष्प्रभाव न पड़े। इस कार्यक्रम में संकेत मलैया, संतोष जैन, सूचित जैन, लीना, डॉ. अमिता जैन और सुनील गर्ग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष के बीच संपन्न हुआ शिव-पार्वती विवाह

नवभारत, जबलपुर। माँ नर्मदा के पावन तट स्थित गुरुधाम, ग्वारीघाट में आयोजित आठ दिवसीय श्री शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन बुधवार को भगवान शिव और माता पार्वती का दिव्य विवाहोत्सव श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार, मंगल गीतों और 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयघोष से पूरा कथा परिसर भक्तिमय हो उठा।

कथाव्यास आशीर्वाद महाराज श्रीधाम वृंदावन से आए शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा की यह विवाह केवल दो दिव्य शक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि शिव और शक्ति के सनातन स्वरूप की एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया की भगवान शिव वैराग्य, तप और कल्याण के प्रतीक हैं, जबकि माता पार्वती शक्ति, समर्पण और सृजन की अधिष्ठात्री हैं। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने शिव-पार्वती विवाह की झांकी का दर्शन कर पुष्पवर्षा की और भक्ति रस में सराबोर होकर भजनों पर नृत्य किया इस दौरान पूरा गुरुधाम परिसर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में डूबा नजर आया। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन प्रात: 7 से 8:30 बजे तक शिवलिंग निर्माण, सुबह 9 से 11 बजे तक रुद्राभिषेक तथा दोपहर 3 से शाम 6:30 बजे तक श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का समापन 12 जुलाई को हवन, पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा। कथा का सीधा प्रसारण श्री राधाकृष्ण राधा यूट्यूब चैनल पर किया जा रहा है। आयोजक परिवार ने श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया है।

ईसीएचएस द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट की शुरुआत

नवभारत, जबलपुर। एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस) ने दूर-दराज के पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) शुरू की है। इस एमएमयू को 08 जुलाई 2026 को मुख्यालय मध्य भारत एरिया के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल संजय गौतम ने स्टेशन सेल, जबलपुर से हरी झंडी दिखाकर नरसिंहपुर के लिए रवाना किया। रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग (डीईएसडब्ल्यू) के तहत भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित यह योजना सुनिश्चित करती है कि रिटायरमेंट के बाद भी पूर्व सैनिकों को पॉलीक्लिनिक से लेकर प्राइवेट अस्पतालों तक लगातार इलाज मिलता रहे। इसके पहले सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में हुए सफल ट्रायल रन को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

अत्याधुनिक मोबाइल क्लिनिक द्वारा होगा इलाज

यह एमएमयू पहियों पर चलने वाली मोबाइल क्लिनिक है, जिससे पूर्व सैनिकों को लंबी यात्रा के बिना अच्छी देखभाल मिलती है। दवाओं और उपकरणों से लैस इस एम्बुलेंस में 1 मेडिकल डॉक्टर और 1 नर्सिंग असिस्टेंट तैनात हैं। यह यूनिट मध्य प्रदेश के 10 दूर-दराज के ज़िलों मंडला, कटनी, दमोह, नरसिंहपुर, सिवनी, डिंडोरी, उमरिया, छिंदवाड़ा, बालाघाट और अनूपपुर के 40,000 लाभार्थियों को सेवाएँ देगी। एमएमयू व्यापक मेडिकल कवरेज के लिए महीने में 1 बार इन सभी जिलों का दौरा करेगी, जिसमें रात में रुकना भी शामिल है। यह मोबाइल चिकित्सा सेवा ईसीएचएस स्वास्थ्य-सेवा नेटवर्क से जुड़ने का सीधा माध्यम प्रदान करती है।

ओएफके रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी : प्रवीण

आयुध निर्माणी खमरिया के नए मुख्य महाप्रबंधक का पदभार किया ग्रहण

नवभारत,जबलपुर। म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड की इकाई आयुध निर्माणी खमरिया(ओएफके), जबलपुर में प्रवीण कुमार पाण्डेय, आईओएफएस ने बुधवार को नए मुख्य महाप्रबंधक का पद का कार्यभार ग्रहण किया । इस के पहले वे आयुध निर्माणी चांदा, महाराष्ट्र के मुख्य महाप्रबंधक के रुप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे थे।

पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री पाण्डेय ने निर्माणी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्पादन, गुणवत्ता, सुरक्षा, आधुनिकीकरण, अनुसंधान एवं विकास एवं मानव संसाधन से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आयुध निर्माणी खमरिया देश की रक्षा उत्पादन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और संस्था की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता तथा समयबद्ध आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना, नवाचार, पारदर्शिता, कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आव्हान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से आयुध निर्माणी खमरिया रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएगी।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने की कर्मचारियों को पदोन्नति देने की मांग

नवभारत, जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने प्रदेश शासन द्वारा प्रमोशन नीतियों में बदलाव करने की प्रशंसनीय पहल की सराहना करते हुए कर्मचारियों को पदोन्नति देने की मांग की है। इस नयी नीति से कर्मचारियों में पदोन्नति की बड़ी उम्मीद जागी है। पदोन्नति न होने के कारण हजारों कर्मचारी जिस पद में भर्ती हुए थे, उसी पद से सेवानिवृत हो चुके हैं और आज भी हजारों कर्मचारी बिना पदोन्नति के उसी पद पर सेवानिवृत्ति की कगार पर खड़े हुए हैं। आगामी माहों में ही ऐसे हजारों कर्मचारी सेवा निवृत हो रहे हैं, इसलिए संघ शासन से यह मांग कर रहा है कि इन सभी कर्मचारियों को भी पदोन्नति का लाभ दिया जाए। जिन कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है, उन्हें पेंशन और उपादान में हजारों रुपए की हानि हो रही है।

वरिष्ठ पदों पर कार्य कर रहे कनिष्ठ कर्मचारी

इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय और प्रवक्ता अनिल भार्गव ने बताया कि वर्तमान में बिना पदोन्नति के वरिष्ठ पद का कार्य कनिष्ठ कर्मचारी संभाल रहे हैं। इस संबंध में संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव एवं महामंत्री जितेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन देकर आदेश जारी करने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने कमेटी बनाकर कर्मचारियों को लाभ दिलाने का आश्वासन दिया है, जिसका स्वागत करते हुए संघ ने वर्तमान कर्मचारियों को 1 वेतनमान अधिक देने और सेवानिवृत हो चुके 15 वर्षों के पूर्व कर्मचारियों को भी पदोन्नति का लाभ देने की मांग की है ताकि उन्हें पेंशन उपादान का लाभ मिल सके। इसी क्रम में संघ के पदाधिकारियों अटल उपाध्याय, देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, अरुण पटेल, पंकज दुबे, रजनीश पांडेय, बीरेंद्र तिवारी एवं आशीष नामदेव ने समस्त विभाग प्रमुखों से विभागीय डीपीसी कर पदोन्नति आदेश जारी करने की मांग की है।

बंद उड़ानों को पुन : शुरू किया जाये, फेडरेशन ने इंडिगो एयरलाइन को ज्ञापन सौंपा

नवभारत, जबलपुर । फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज द्वारा जबलपुर शहर की लगातार घटती वायुसेवाओं को लेकर इंडिगो एयरलाइन के डायरेक्टर, सेल्स, ईस्ट एवं सेन्ट्रल इंडिया संजीव भट्टाचार्य के नाम ज्ञापन प्रेषित किया जिसे मध्य प्रदेश के सेल्स हेड कुंवर रावत को गत दिवस भोपाल में सौंपा गया। फेडरेशन ने ज्ञापन के माध्यम से जबलपुर की हवाई कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने एवं बंद हो चुकी उड़ानों को पुन: प्रारंभ करने की मांग की है।

फेडरेशन के अध्यक्ष तथा जबलपुर संघर्ष समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने कहा कि जबलपुर मध्यप्रदेश का एक महत्वपूर्ण संभागीय मुख्यालय होने के साथ-साथ औद्योगिक, शैक्षणिक, व्यापारिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण शहर है। इसके बावजूद पिछले कुछ समय से जबलपुर की वायुसेवाओं में लगातार कमी आई है, जिससे व्यापार, उद्योग, पर्यटन तथा आम नागरिकों को गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में जबलपुर से मुंबई एवं बंगलुरू फ्लाइट को रोजाना के स्थान पर सप्ताह में चार दिन किया गया है जिससे फ्लायर्स में रोष व्याप्त है। हिमांशु खरे ने बताया कि पूर्व में जबलपुर से देश के अनेक प्रमुख महानगरों के लिए नियमित उड़ानें संचालित होती थीं, किंतु वर्तमान में कई महत्वपूर्ण सेक्टरों पर वायुसेवाएं बंद या सीमित हो गई हैं। फेडरेशन ने इंडिगो एयरलाइन से मांग की है कि जबलपुर से नियमित एवं पर्याप्त वायुसेवाएं पुन: प्रारंभ की जाएं तथा बंद हो चुकी उड़ानों को तत्काल पुनर्स्थापित किया जाए। इस अवसर पर फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संयुक्त अध्यक्ष विरेंद्र पोरवाल, प्रवीण आचार्य तथा डॉ सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

कार्यशाला

बोले-स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता जरूरी, समझौता नहीं किया जाएगा

जबलपुर को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाना है : महापौर

नवभारत,जबलपुर। जबलपुर को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वस्थ जीवन जीने के लिए संपूर्ण स्वच्छता पहली और सबसे अनिवार्य शर्त है। अब शहर की स्वच्छता और नागरिकों के स्वास्थ्य को लेकर कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। हम सबके ऊपर अब पहले से कहीं अधिक दायित्व बढ़ गया है। यह बातें महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने एक स्वच्छ, हरित और उज्जवल भारत की ओर विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यशाला में कहीं ।

नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 कार्यशाला में पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नए कड़े नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। महापौर ने कहा कि यह नियम शहर को कचरा मुक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। स्वच्छता को लेकर लापरवाही बरतने वालों, सड़कों पर कचरा फेंकने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई को अब कानूनी रूप दे दिया गया है। यानी अब अनुशासनहीनता पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। स्वच्छता अभियान को केवल प्रशासनिक न रखकर जन-आंदोलन बनाने के लिए हर वार्ड स्तर पर विशेष समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां सीधे जनता से जुड़कर जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग करेंगी। शहर से निकलने वाले ठोस कचरे के सही निष्पादन के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। इससे कचरे से पैदा होने वाली बिजली के उत्पादन में भारी बढोत्तरी होगी, जो आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम है। कार्यशाला के अंत में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों,प्रबुद्ध नागरिकों एवं अधिकारियों ने नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 को पूरी निष्ठा से लागू करने और जबलपुर को एक स्वच्छ, हरित और उज्जवल भविष्य देने का संकल्प लिया।

जब शहर साफ होगा तो बीमारियां दूर रहेंगी

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि जब शहर साफ होगा, तो बीमारियां दूर रहेंगी और नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। इसके साथ ही कचरे से बिजली बनाने की क्षमता बढ़ने से पर्यावरण के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी शहर समृद्ध होगा। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिंकू विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार,एम आई सी सदस्य डॉ सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर , दामोदर सोनी, अंशुल राघवेंद्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, सिहोरा, पनागर, बरेला आदि के नगर पालिका अध्यक्ष, समस्त पार्षदगणों और सभी अधिकारियों की उपस्थित सराहनीय रही।

आर्मी पब्लिक स्कूल क्रमांक-2 ने जीता हैक फेस्ट

नवभारत, जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के तत्वाधान में जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर जबलपुर के आर्मी पब्लिक स्कूल क्रमांक-2 द्वारा बत्रा ऑडिटोरियम में 'कल्पना से नवाचार, नवाचार से परिवर्तन' विषय पर आधारित तकनीकी नवाचार महोत्सव 'हैक फेस्ट 2026' का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल क्रमांक-2 ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान एवं समग्र चैंपियनशिप प्राप्त की, जबकि आर्मी पब्लिक स्कूल अयोध्या द्वितीय तथा आर्मी पब्लिक स्कूल प्रयागराज तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जैक आरआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर उदय साम्याल ने किया और विशिष्ट अतिथि के रूप में फैमिली वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की अध्यक्षा रेनू साम्याल उपस्थित रहीं। इस हैक फेस्ट के उपरांत मध्य भारत एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रतिभागी विद्यार्थियों से संवाद किया।

आर्मी स्कूलों के विद्यार्थियों ने दिखाए आधुनिक मॉडल

इस तकनीकी प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, जबलपुर क्रमांक-1 तथा क्रमांक-2 की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नवीन तकनीकी मॉडल एवं परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। प्रदर्शित परियोजनाओं का मूल्यांकन रचनात्मकता, तकनीकी ज्ञान, मौलिकता एवं व्यावहारिक उपयोगिता के आधार पर किया गया, जिसमें निर्णायकों ने विद्यार्थियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नवाचारी सोच की सराहना की। समापन समारोह में एफडब्ल्यूओ की अध्यक्षा रेनू साम्याल ने प्रतिभागी टीमों एवं गणमान्य अतिथियों को सम्मानित करते हुए युवा नवप्रवर्तकों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य जारी रखने के लिए प्रेरित किया। यह पहल विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक सोच एवं तकनीकी उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए उन्हें भविष्य के आधुनिक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है।